कंपनी के वित्तीय विवरण

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» वित्तीय विवरणों का अर्थ और प्रकृति

प्रश्न 1 (आसान). कंपनी के वित्तीय विवरणों में मुख्य रूप से कौन से तीन स्टेटमेंट शामिल होते हैं?
उत्तर – तुलन-पत्र, लाभ व हानि विवरण, रोकड़ प्रवाह विवरण।

प्रश्न 2 (आसान). वित्तीय विवरण किनके लिए उपयोगी होते हैं?
उत्तर – मालिकों, निवेशकों, बैंकों, सरकार, कर्मचारियों आदि के लिए।

प्रश्न 3 (मध्यम). वित्तीय विवरणों की प्रकृति को समझने में कौन-कौन से बिंदु मदद करते हैं? कोई दो बताओ।
उत्तर – रिकॉर्ड किए गए तथ्य, लेखांकन परंपराएँ, धारणाएँ, और व्यक्तिगत निर्णय।

प्रश्न 4 (कठिन). क्या वित्तीय विवरण केवल कंपनी के आंतरिक प्रबंधन के लिए बनाए जाते हैं? समझाओ क्यों या क्यों नहीं?
उत्तर – नहीं, वे केवल आंतरिक प्रबंधन के लिए नहीं बनाए जाते। वे बाहरी उपयोगकर्ताओं जैसे निवेशकों, बैंकों, सरकार और कर्मचारियों को कंपनी की वित्तीय जानकारी देने के लिए भी होते हैं, ताकि वे सही निर्णय ले सकें।

» वित्तीय विवरणों के उद्देश्य

प्रश्न 5 (आसान). वित्तीय विवरणों का प्राथमिक उद्देश्य क्या होता है?
उत्तर – उपयोगकर्ताओं को सही आर्थिक निर्णय लेने में सहायता करना।

प्रश्न 6 (आसान). कंपनी की अर्जन क्षमता (Earning Capacity) का पता किस विवरण से चलता है?
उत्तर – लाभ व हानि विवरण (Statement of Profit and Loss) से।

प्रश्न 7 (मध्यम). रोकड़ प्रवाह विवरण (Cash Flow Statement) का क्या उद्देश्य है?
उत्तर – यह व्यवसाय में नकद राशि के आने (Inflow) और जाने (Outflow) की समयबद्धता तथा अनिश्चितता की जानकारी देता है।

प्रश्न 8 (कठिन). प्रबंधन की प्रभावशीलता (Management Efficiency) को वित्तीय विवरणों के माध्यम से कैसे आंका जाता है?
उत्तर – वित्तीय विवरण यह दर्शाते हैं कि प्रबंधन ने कंपनी के आर्थिक संसाधनों का कितना कुशल और लाभदायक उपयोग किया है।

» वित्तीय विवरणों के प्रकार: तुलन-पत्र

प्रश्न 9 (आसान). कंपनी अधिनियम 2013 की किस अनुसूची के अनुसार तुलन-पत्र का प्रारूप तैयार किया जाता है?
उत्तर – अनुसूची III (Schedule III)

प्रश्न 10 (आसान). तुलन-पत्र व्यवसाय की किस बात को दर्शाता है – लाभ-हानि को या एक निश्चित तिथि की वित्तीय स्थिति को?
उत्तर – एक निश्चित तिथि की वित्तीय स्थिति को।

प्रश्न 11 (मध्यम). यदि एक कंपनी की कुल परिसंपत्तियाँ (Assets) ₹12,00,000 हैं और कुल बाह्य दायित्व (Liabilities) ₹4,00,000 हैं, तो शेयरधारकों का कोष (Equity) कितना होगा?
उत्तर – ₹8,00,000 (Equity = Assets - Liabilities = 12,00,000 - 4,00,000)

प्रश्न 12 (कठिन). कंपनी के तुलन-पत्र में चालू दायित्वों और गैर-चालू दायित्वों के बीच मुख्य अंतर क्या होता है?
उत्तर – चालू दायित्वों का भुगतान 12 महीने या प्रचालन चक्र के भीतर करना होता है, जबकि गैर-चालू दायित्वों का भुगतान 12 महीने के बाद देय होता है।

» तुलन-पत्र में समता एवं देयताएँ

प्रश्न 13 (आसान). Shareholders' Funds के अंतर्गत आने वाली किन्हीं दो मदों के नाम बताइए।
उत्तर – Share Capital और Reserves and Surplus।

प्रश्न 14 (आसान). Trade Payables को Balance Sheet के किस मुख्य शीर्षक में दिखाया जाता है?
उत्तर – Current Liabilities (चालू देयताएँ)।

प्रश्न 15 (मध्यम). Non-current Liabilities और Current Liabilities में समय सीमा का क्या मुख्य अंतर है?
उत्तर – Non-current Liabilities का भुगतान 12 महीने से अधिक समय बाद होता है, जबकि Current Liabilities का भुगतान 12 महीने के भीतर करना अनिवार्य होता है।

प्रश्न 16 (कठिन). एक कंपनी ने 5 वर्ष के लिए बैंक से ₹5,000,000 का ऋण लिया। कंपनी की Balance Sheet में इसे किस शीर्षक और उप-शीर्षक (Sub-heading) में दर्शाया जाएगा?
उत्तर – मुख्य शीर्षक: Non-current Liabilities; उप-शीर्षक: Long-term borrowings।

» तुलन-पत्र में परिसंपत्तियाँ

प्रश्न 17 (आसान). गोदाम में रखा तैयार माल (Inventory) किस मुख्य शीर्षक में आता है?
उत्तर – Current Assets (चालू परिसंपत्तियाँ)

प्रश्न 18 (आसान). क्या पेटेंट (Patents) एक अमूर्त (Intangible) परिसंपत्ति है?
उत्तर – हाँ, यह Intangible Asset है जो Non-current Assets के अंतर्गत आता है।

प्रश्न 19 (मध्यम). यदि किसी कंपनी ने 3 साल के लिए बैंक में FD कराई है, तो इसे किस शीर्षक में दिखाएँगे?
उत्तर – Non-current Investments (गैर-चालू निवेश) के अंतर्गत।

प्रश्न 20 (कठिन). कंपनी के व्यापार प्राप्य (Trade Receivables) में ₹15,000 के देनदार हैं जो 15 महीने बाद भुगतान करेंगे। इसे Non-current या Current किस Asset में वर्गीकृत करेंगे?
उत्तर – चूँकि समय 12 महीने और Operating cycle दोनों से अधिक है, इसे Other Non-current Assets या Trade Receivables (Non-current part) के रूप में वर्गीकृत करेंगे।

» चालू एवं गैर-चालू वर्गीकरण के मानदंड

प्रश्न 21 (आसान). यदि किसी दायित्व का भुगतान 8 महीने में होना है, तो उसे किस श्रेणी में रखा जाएगा?
उत्तर – Current Liability (चालू देयता)

प्रश्न 22 (आसान). क्या Cash and Cash Equivalents हमेशा चालू परिसंपत्ति होते हैं?
उत्तर – हाँ, सामान्यतः ये सदैव Current Assets माने जाते हैं।

प्रश्न 23 (मध्यम). अगर Operating Cycle 10 महीने है और Debtor से 11 महीने में पैसा मिलना है, तो वह क्या कहलाएगा?
उत्तर – Non-Current Asset (क्योंकि यह 10 महीने के Operating Cycle और 12 महीने दोनों सीमाओं से परे नहीं, पर 12 महीने के अंदर होने से Current हो सकता है – यहाँ 11 महीने 12 मास के अंदर है इसलिए Current Asset माना जाएगा)।

प्रश्न 24 (कठिन). एक Long-term Loan की वह किस्त जो अगले 12 महीनों के भीतर देय (payable) है, उसे Balance Sheet में कहाँ दिखाया जाता है?
उत्तर – इसे 'Other Current Liabilities' में 'Current maturities of long-term debt' के रूप में दर्शाया जाता है।

» तुलन-पत्र की प्रमुख प्रकटन विशेषताएँ और पूर्णांकन नियम

प्रश्न 25 (आसान). अनुसूची III के अनुसार वित्तीय विवरण किस प्रारूप में बनाए जाते हैं – क्षैतिज (Horizontal) या ऊर्ध्वाकार (Vertical)?
उत्तर – ऊर्ध्वाकार प्रारूप (Vertical Format) में।

प्रश्न 26 (आसान). यदि कंपनी का टर्नओवर ₹50 करोड़ है, तो क्या आंकड़ों को हज़ारों में दर्शाया जा सकता है?
उत्तर – हाँ, क्योंकि टर्नओवर ₹100 करोड़ से कम है।

प्रश्न 27 (मध्यम). यदि लेखांकन मानक (Accounting Standards) और अनुसूची III के नियमों में कोई विरोधाभास हो, तो किसकी बात मानी जाएगी?
उत्तर – लेखांकन मानक (Accounting Standards) अनुसूची III पर अभिभावी (Override) होंगे।

प्रश्न 28 (कठिन). एक कंपनी का टर्नओवर ₹250 करोड़ है और लाभ-हानि खाते में ₹15 लाख का ऋणात्मक अतिशेष (Negative Balance) है। इसे तुलन-पत्र में कहाँ और कैसे दर्शाया जाएगा?
उत्तर – इसे 'अंशधारक निधियाँ' (Shareholders' Funds) के अंतर्गत 'आरक्षितियाँ एवं अधिशेष' (Reserves and Surplus) शीर्षक में 'अधिशेष' (Surplus) के तहत ऋणात्मक आंकड़े (Negative Figure) के रूप में घटाकर दर्शाया जाएगा।

» लाभ-हानि विवरण का प्रारूप एवं विषय-सामग्री

प्रश्न 29 (आसान). कंपनी के लिए कर्मचारियों को दिए जाने वाले वेतन और मजदूरी को किस शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाता है?
उत्तर – Employee Benefit Expenses (कर्मचारी हित व्यय)

प्रश्न 30 (आसान). ऋणपत्रों पर दिया जाने वाला ब्याज लाभ-हानि विवरण के किस मुख्य शीर्षक में आता है?
उत्तर – Finance Costs (वित्तीय लागतें)

प्रश्न 31 (मध्यम). एक गैर-वित्तीय कंपनी के लिए 'ब्याज आय' और 'उत्पादों की बिक्री से आय' में क्या अंतर है?
उत्तर – उत्पादों की बिक्री से आय 'Revenue from Operations' में आती है, जबकि गैर-वित्तीय कंपनी के लिए ब्याज आय 'Other Income' के अंतर्गत दर्शाई जाती है।

प्रश्न 32 (कठिन). यदि किसी कंपनी का Revenue from Operations ₹15,00,000, Total Expenses ₹9,00,000 और Tax Rate 30% है, तो Profit After Tax की गणना कीजिए।
उत्तर – Profit Before Tax = ₹15,00,000 - ₹9,00,000 = ₹6,00,000. Tax (30%) = ₹1,80,000. Profit After Tax = ₹6,00,000 - ₹1,80,000 = ₹4,20,000.

» वित्तीय विवरणों की उपयोगिता एवं महत्व

प्रश्न 33 (आसान). वित्तीय विवरणों का उपयोग करने वाले किन्हीं दो आंतरिक (Internal) उपयोगकर्ताओं के नाम बताइए।
उत्तर – प्रबंधक (Management) और संचालक (Board of Directors)।

प्रश्न 34 (आसान). लेनदार (Creditors) वित्तीय विवरण क्यों देखना चाहते हैं?
उत्तर – यह जानने के लिए कि कंपनी उनके बकाए का भुगतान समय पर कर पाएगी या नहीं।

प्रश्न 35 (मध्यम). संभावित निवेशकों (Prospective Investors) के लिए वित्तीय विवरण किस प्रकार सहायक हैं?
उत्तर – वे कंपनी की लाभप्रदता और सुरक्षा का आकलन करके यह तय करते हैं कि कंपनी में पैसा लगाना सुरक्षित है या नहीं।

प्रश्न 36 (कठिन). सरकार और कर अधिकारियों (Tax Authorities) के लिए वित्तीय विवरणों की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – सरकार वित्तीय विवरणों का उपयोग सही कर (Tax) का निर्धारण करने, उद्योग नीतियां बनाने और आर्थिक विकास का आकलन करने के लिए करती है।

» वित्तीय विवरणों की सीमाएँ

प्रश्न 37 (आसान). वित्तीय विवरणों में कर्मचारियों की कार्यकुशलता को क्यों नहीं दर्शाया जाता?
उत्तर – क्योंकि इसे मुद्रा (पैसों) के रूप में मापा नहीं जा सकता (मुद्रा मापन की सीमा)।

प्रश्न 38 (आसान). क्या वित्तीय विवरण बाज़ार मूल्य पर आधारित होते हैं?
उत्तर – नहीं, ये मुख्य रूप से ऐतिहासिक लागत (Historical Cost) पर आधारित होते हैं।

प्रश्न 39 (मध्यम). वैयक्तिक निर्णय (Personal Judgment) वित्तीय विवरणों को कैसे प्रभावित करता है? एक उदाहरण दीजिए।
उत्तर – अकाउंटेंट का अनुमान जैसे संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान की दर या मूल्यह्रास की पद्धति चुनना वित्तीय विवरणों के परिणामों को प्रभावित करता है।

प्रश्न 40 (कठिन). स्पष्ट कीजिए कि मुद्रास्फीति (Inflation) के दौरान वित्तीय विवरण वास्तविक वित्तीय स्थिति प्रस्तुत करने में क्यों असफल रहते हैं?
उत्तर – वित्तीय विवरण यह मानकर चलते हैं कि मुद्रा का मूल्य स्थिर रहता है। मुद्रास्फीति के दौरान ऐतिहासिक लागत पर दर्ज संपत्तियाँ वास्तविक क्रय शक्ति या पुनरोत्पादन लागत नहीं दर्शातीं, जिससे लाभ बढ़ा-चढ़ाकर दिख सकता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक कंपनी ने 31 मार्च 2024 को अपने वित्तीय विवरण तैयार किए। इन विवरणों में क्या-क्या मुख्य चीज़ें शामिल होंगी और ये किसके लिए उपयोगी होंगे?

› पहला कदम: पहचानें कि वित्तीय विवरणों में मुख्य रूप से तीन प्रकार के स्टेटमेंट होते हैं - बैलेंस शीट (तुलन-पत्र), प्रॉफिट एंड लॉस स्टेटमेंट (लाभ व हानि विवरण), और कैश फ्लो स्टेटमेंट (रोकड़ प्रवाह विवरण)।

› दूसरा कदम: समझें कि बैलेंस शीट कंपनी की एक खास तारीख पर आर्थिक स्थिति बताती है।

› तीसरा कदम: जानें कि प्रॉफिट एंड लॉस स्टेटमेंट एक निश्चित अवधि (जैसे एक साल) में कंपनी के लाभ या हानि को दिखाता है।

› चौथा कदम: समझें कि कैश फ्लो स्टेटमेंट एक अवधि में नकदी के आने-जाने का हिसाब देता है।

› पाँचवाँ कदम: तय करें कि ये विवरण सिर्फ कंपनी के मालिक ही नहीं, बल्कि बैंक, निवेशक, सरकार, लेनदार और कर्मचारियों जैसे बाहरी उपयोगकर्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

उत्तर – वित्तीय विवरणों में मुख्य रूप से तुलन-पत्र, लाभ व हानि विवरण और रोकड़ प्रवाह विवरण शामिल होते हैं। ये विवरण कंपनी के मालिकों, निवेशकों, बैंकों, सरकार, और कर्मचारियों सहित सभी बाहरी हितधारकों (users) के लिए कंपनी की वित्तीय स्थिति और प्रदर्शन को समझने में उपयोगी होते हैं।

उदाहरण 2. XYZ लिमिटेड कंपनी अपनी अर्जन क्षमता (Earning Capacity) और वित्तीय स्थिति (Financial Position) को शेयरधारकों को दिखाना चाहती है। बताइए कि कंपनी इसके लिए वित्तीय विवरणों के कौन से मुख्य उद्देश्य पूरे करेगी?

› स्टेप 1: कंपनी लाभ व हानि विवरण (Profit and Loss Statement) से अपनी अर्जन क्षमता और लाभप्रदता स्पष्ट करेगी।

› स्टेप 2: कंपनी तुलन-पत्र (Balance Sheet) के माध्यम से अपनी संपत्तियों और दायित्वों की सही स्थिति प्रस्तुत करेगी।

› स्टेप 3: इन दोनों विवरणों से शेयरधारकों को कंपनी में निवेश बनाए रखने या नया निवेश करने का निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

उत्तर – वित्तीय विवरणों का मुख्य उद्देश्य शेयरधारकों को निर्णय लेने हेतु अर्जन क्षमता और वित्तीय स्थिति की विश्वसनीय जानकारी प्रदान करना है।

उदाहरण 3. 31 मार्च 2024 को एक कंपनी 'रोहन टेक्सटाइल्स लिमिटेड' के पास शेयर पूँजी ₹5,00,000, गैर-चालू दायित्व ₹2,00,000, चालू दायित्व ₹1,00,000, गैर-चालू परिसंपत्तियाँ ₹6,00,000 और चालू परिसंपत्तियाँ ₹2,00,000 हैं। अनुसूची III के अनुसार दोनों भागों का योग सत्यापित कीजिए।

› स्टेप 1: भाग I (Equity and Liabilities) का योग निकालें = Share Capital (₹5,00,000) + Non-Current Liabilities (₹2,00,000) + Current Liabilities (₹1,00,000) = ₹8,00,000।

› स्टेप 2: भाग II (Assets) का योग निकालें = Non-Current Assets (₹6,00,000) + Current Assets (₹2,00,000) = ₹8,00,000।

› स्टेप 3: तुलना करें – Equity and Liabilities का योग (₹8,00,000) और Assets का योग (₹8,00,000) आपस में बिल्कुल बराबर हैं।

उत्तर – तुलन-पत्र के दोनों पक्षों का योग ₹8,00,000 पर पूर्णतः संतुलित है।

उदाहरण 4. निम्नलिखित मदों को अनुसूची III के अनुसार Balance Sheet के मुख्य शीर्षकों (Major Headings) में वर्गीकृत कीजिए: (i) 10% Debentures (ii) Trade Payables (iii) General Reserve

› स्टेप 1: 10% Debentures दीर्घकालिक ऋण हैं, इसलिए यह 'Non-current Liabilities' के अंतर्गत आएगा।

› स्टेप 2: Trade Payables का भुगतान 12 महीने के भीतर करना होता है, इसलिए यह 'Current Liabilities' में जाएगा।

› स्टेप 3: General Reserve कंपनी का संचित लाभ है, इसलिए यह 'Shareholders' Funds' (Reserves and Surplus) का भाग है।

उत्तर – (i) Non-current Liabilities, (ii) Current Liabilities, (iii) Shareholders' Funds

उदाहरण 5. समीक्षा लिमिटेड के पास निम्नलिखित मदें हैं: 1. प्लांट और मशीनरी (₹5,00,000), 2. व्यापार प्राप्य (Trade Receivables ₹80,000), 3. ट्रेडमार्क (₹1,20,000), 4. बैंक में रोकड़ (₹40,000)। इन्हें Balance Sheet के मुख्य शीर्षकों (Non-current / Current Assets) में वर्गीकृत कीजिए।

› Step 1: प्लांट और मशीनरी तथा ट्रेडमार्क लंबे समय के लिए हैं, अतः ये Non-current Assets के अंतर्गत आएँगे।

› Step 2: व्यापार प्राप्य (Trade Receivables) और बैंक में रोकड़ 12 महीने के भीतर भुनाए जा सकते हैं, अतः ये Current Assets हैं।

› Step 3: Non-current Assets कुल = ₹5,00,000 + ₹1,20,000 = ₹6,20,000।

› Step 4: Current Assets कुल = ₹80,000 + ₹40,000 = ₹1,20,000।

उत्तर – Non-current Assets = ₹6,20,000 तथा Current Assets = ₹1,20,000। कुल Assets = ₹7,40,000।

उदाहरण 6. एक कंपनी का Operating Cycle 14 महीने है। एक Trade Receivable का भुगतान 13 महीने में प्राप्त होना है। इसे Current Asset माना जाएगा या Non-Current Asset?

› Step 1: मानदंड की जाँच करें – भुगतान समय 13 महीने है।

› Step 2: 12 Months rule के अनुसार 13 महीने 12 महीने से अधिक हैं।

› Step 3: परन्तु Operating Cycle criterion देखें – कंपनी का Operating Cycle 14 महीने है, और 13 महीने 14 महीने के भीतर ही आता है।

› Step 4: यदि कोई मद Operating Cycle के भीतर वसूल होती है, तो उसे Current वर्गीकृत किया जाता है।

उत्तर – इसे 'Current Asset' के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

उदाहरण 7. सूर्य लिमिटेड का 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष का कुल टर्नओवर ₹150 करोड़ है। कंपनी के खातों में 'मशीनरी खाता' ₹4,85,60,000 प्रदर्शित कर रहा है। अनुसूची III के पूर्णांकन नियमों के अनुसार इसे निकटतम लाख रुपये में कैसे प्रकट किया जाएगा?

› चरण 1: कंपनी का टर्नओवर जाँचें। टर्नओवर = ₹150 करोड़ (जो कि ₹100 करोड़ से अधिक है)।

› चरण 2: नियम लागू करें – यदि टर्नओवर ₹100 करोड़ है, तो पूर्णांकन लाखों, करोड़ों या उनके दशमलव में होना चाहिए।

› चरण 3: मशीनरी का मान = ₹4,85,60,000 = ₹485.60 लाख।

› चरण 4: निकटतम लाख रुपये में पूर्णांकन करने पर = ₹486 लाख (या ₹4.86 करोड़)।

उत्तर – तुलन-पत्र (Balance Sheet) की टिप्पणियों में मशीनरी का मूल्य ₹486 लाख (या ₹4.86 करोड़) प्रकट किया जाएगा।

उदाहरण 8. निम्नलिखित जानकारी से 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए Profit Before Tax ज्ञात कीजिए:

- Revenue from Operations: ₹10,00,000

- Other Income: ₹50,000

- Employee Benefit Expenses: ₹2,00,000

- Finance Costs: ₹10,000

- Depreciation: ₹16,000

- Other Expenses: ₹24,000

› स्टेप 1: Total Revenue निकालें = Revenue from Operations + Other Income = ₹10,00,000 + ₹50,000 = ₹10,50,000.

› स्टेप 2: Total Expenses जोड़ें = Employee Benefit Expenses (₹2,00,000) + Finance Costs (₹10,00,000) + Depreciation (₹16,00,000) + Other Expenses (₹24,000) = ₹2,50,000.

› स्टेप 3: Profit Before Tax = Total Revenue - Total Expenses = ₹10,50,000 - ₹2,50,000 = ₹8,00,000.

उत्तर – कर से पूर्व लाभ (Profit Before Tax) = ₹8,00,000

उदाहरण 9. एक बैंक से ABC लिमिटेड ने 50 लाख रुपये का ऋण मांगा है। बैंक वित्तीय विवरणों के किन दो मुख्य पहलुओं की जांच करके ऋण स्वीकृत करेगा?

› स्टेप 1: बैंक कंपनी के लाभ-हानि विवरण (P&L Account) से उसकी लाभप्रदता (Profitability) और ब्याज चुकाने की क्षमता जांचेगा।

› स्टेप 2: बैंक तुलन-पत्र (Balance Sheet) से कंपनी की परिसंपत्तियों और ऋण शोधन क्षमता (Solvency) का आकलन करेगा।

उत्तर – बैंक कंपनी की 'लाभप्रदता' (Profitability) और 'ऋण शोधन क्षमता' (Solvency) की जांच करके ऋण स्वीकृत करेगा।

उदाहरण 10. एक कंपनी ने वर्ष 2015 में 10,00,000 रुपये में एक भवन खरीदा। 2024 में इसका बाज़ार मूल्य 40,00,000 रुपये है। कंपनी के बैलेंस शीट में भवन किस मूल्य पर दिखाया जाएगा और यह वित्तीय विवरणों की किस सीमा को दर्शाता है?

› चरण 1: लेखांकन की ऐतिहासिक लागत अवधारणा के अनुसार, परिसंपत्तियों को उनके क्रय मूल्य (लागत) पर ही दिखाया जाता है।

› चरण 2: अतः बैलेंस शीट में भवन को 10,00,000 रुपये (घटाया गया डेप्रिसिएशन, यदि हो) पर ही दिखाया जाएगा, 40,00,000 रुपये पर नहीं।

› चरण 3: यह वित्तीय विवरण की इस सीमा को दर्शाता है कि 'वित्तीय विवरण वर्तमान बाज़ार स्थिति या चालू मूल्य को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।'

उत्तर – भवन 10,00,000 रुपये (ऐतिहासिक लागत) पर दिखाया जाएगा; सीमा: वर्तमान बाज़ार मूल्य की उपेक्षा।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूरे अध्याय का आधार है। 'वित्तीय विवरणों का अर्थ' और 'प्रकृति के मुख्य बिंदु' अक्सर सीधे प्रश्न के रूप में पूछे जाते हैं।
• बोर्ड परीक्षा में उद्देश्यों पर प्रश्न आए तो 4-5 बिंदुओं को हेडिंग बनाकर लिखें: अर्जन क्षमता, आर्थिक संसाधन, रोकड़ प्रवाह और प्रबंधकीय प्रभावशीलता।
• बोर्ड परीक्षा में Schedule III के मुख्य शीर्षकों (Main Headings) का क्रम बिल्कुल सही लिखना ज़रूरी है, शीर्षक के क्रम में बदलाव करने पर अंक कट जाते हैं।
• बोर्ड परीक्षा में 3 से 4 नंबर का प्रश्न सीधे मदों (items) के Headings और Sub-headings पहचानने पर आता है, अनुसूची III का यह प्रारूप कंठस्थ कर लें।
• बोर्ड परीक्षा में Schedule III के अनुसार मुख्य शीर्षक और उप-शीर्षक (Headings & Sub-headings) का सही नाम लिखना अनिवार्य है, नाम में हेरफेर पर अंक कटते हैं।
• Schedule III के तहत 12 Months Rule और Operating Cycle का स्पष्ट उल्लेख उत्तर में ज़रूर करें, यह प्रश्न 3 या 4 अंक में बार-बार पूछा जाता है।
• बोर्ड परीक्षा में 100 करोड़ रुपये की सीमा (Turnover Limit) पर MCQ या केस-स्टडी आधारित प्रश्न बार-बार पूछा जाता है, इसलिए 100 करोड़ की शर्त और इकाइयों का अंतर स्पष्ट याद रखें।
• बोर्ड परीक्षा में प्रमुख मदों (जैसे Rent, Salary, Interest on Debentures, Depreciation) के सही हेड (Head/Sub-head) की पहचान करने का प्रश्न अक्सर 3-4 अंकों में पूछा जाता है।
• बोर्ड परीक्षा में उपयोगकर्ताओं के नाम के साथ उनके हित (Interest) को अलग-अलग हेडिंग में स्पष्ट रूप से लिखें।
• बोर्ड परीक्षा में 'वित्तीय विवरणों की सीमाएँ' 3 या 4 अंकों का सीधा प्रश्न आता है। उत्तर में ऐतिहासिक लागत, गुणात्मक पहलुओं की उपेक्षा और वैयक्तिक निर्णय – इन 3 बिंदुओं को हेडिंग बनाकर ज़रूर लिखें।

एक नज़र में रिवीज़न

› वित्तीय विवरण: कंपनी की आर्थिक स्थिति, प्रदर्शन का 'रिपोर्ट कार्ड' – बाहरी users के लिए भी।
› वित्तीय विवरणों का मुख्य उद्देश्य हितधारकों को निर्णय लेने हेतु सही सूचना प्रदान करना है।
› कंपनी तुलन-पत्र केवल vertical प्रारूप (Schedule III) में बनता है: Equity + Liabilities = Assets।
› Equity & Liabilities = Shareholders' Funds + Pending Allotment + Non-Current + Current Liabilities.
› Assets दो प्रकार के: लंबे समय हेतु Non-current, 12 माह में नकद हेतु Current Assets।
› Operating Cycle या 12 महीने के भीतर वसूल/नपिटान होने वाली मदें Current होती हैं, बाकी Non-Current।
› Turnover ₹100 Cr होने पर पूर्णांकन केवल लाखों/करोड़ों में होता है, AS अनुसूची III पर अभिभावी है।
› P&L Statement: Total Revenue (Ops + Other) - Total Expenses = Profit Before Tax.
› वित्तीय विवरण प्रबंधकों, निवेशकों, लेनदारों और सरकार को आर्थिक निर्णय लेने हेतु आधार प्रदान करते हैं।
› वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत, गुणात्मक सूचनाओं के अभाव और व्यक्तिगत अनुमानों से सीमित होते हैं।